M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

M.A. RAJASTHANI

M.A. Previous Examination-2016
M.A. Final Examination-2017

सूर्य प्रकाशन मन्दिर
दाऊजी रोड़ (नेहरू मार्ग), बीकानेर 5 (राज.)

NOTICE

1. The Ordiances Governing the examination in the Faculties of Arts, Fine Arts, Social Sciences, Science, Commerce, Management, Engineering, Education and Law are contained in separate booklet. The students are advised to the same.
2. Changes in Statutes / Ordinances / Rules/ Regulations / Syllabus and Books may from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any changes that applies to years he has not completed at the time of change.
3. In each paper, 10 questions will be set, 2 questions from each unit. Candidates have to answer five questions in all taking at least one question from each unit.
4. The syllabus is given in both the languages i.e. Hindi & English, if there is any discrepency, English version will be authentic.
5. The list of text books/ Recommended books/Reference Books as approved by the various B.O.S. are printed along with the English version only.

Note : The decision taken by the Academic Council shall be final.

सूचना

1. कला, ललितकला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबन्ध अभियान्त्रिकी, शिक्षा एवं विधि संकाय की परीक्षाओं से सम्बद्ध अध्यादेश (आर्डनेंस) पृथक पुस्तिकाओं में संकलित हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि उनकों देखें।
2. समय–समय पर संशोधन या पुननिर्माण कर अधिनियमों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों, पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन कर अधिनियमों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों, पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है तथा किसी भी परिवर्तन को, छात्र को मानना होगा जो पाठ्यक्रम के उन वर्गो के लिए लागू हो जिसे परिवर्तन के समय पूरा नहीं किया हो, बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से छूट न दे दी हो।
3. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 9 प्रश्न होंगे। पाँच खण्डों में से प्रत्येक में 3 प्रश्न होंगे। छात्र को 4 प्रश्नों के उत्तर देना होगा। परन्तु प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्यतः देना होगा।
4. पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिया हुआ है। यदि कोई विसंगति प्रतीत होती है तो अंग्रेजी पाठ्यक्रम को ही प्रामाणिक माना जाय।
5. विभिन्न पाठ्यक्रम मंडलों द्वारा स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों, संस्तुत पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों की सूची अंग्रेजी पाठ्यक्रम में उपलब्ध है।

नोट : विद्या परिषद् द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।

© M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

Published by : SURYA PRAKASHAN MANDIR, BIKANER M. : 9829280717
For M.G.S. University, Bikaner

SCHEME OF EXAMINATION

Each theory paper 3 Hrs. duration 100 Marks
Dissertation/Thesis/Survey Report/Field Work. If any 100 Marks

1. The number of paper and the maximum marks for each paper practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (Whenever Prescribed) of a subject/Paper separately.
2. A candidate for a pass at each of the Pervious and the Final Examination shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the paper prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical (s) whenever prescribed the examination, provided that if a candidate fails to atleast 25% marks in each individual paper work. Wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for the examination. No division will be awarded at the Pervious Examination, Division hsall be awarded at the end of the Final Examination combined marks obtained at the Pervious and the Final Examination taken together, as noted below :
   First Division 60% of the aggregate marks taken together
   Second Division 48% of the Pervious and the final Examination.
   All the rest shall be declared to have hassed the examination.
3. If a candidate clears any paper (s) Practical(s)/Dissertation Prescribed at the Pervious and or/final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such paper(s) Particle(S) Dissertation are cleared after the expert of the aforesaid period of three year, provided that in case where a candidate require more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make the deficiency in the requisite minimum aggregate.
4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Wrok shall be typs & written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Register atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer dissertation/Fields work/ Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all scheme and I and II semester examination taken in the case of semester scheme, irrespective of the number of paper in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. (i) Non-Collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per Provision of 170-A.

एम.ए. राजस्थानी

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्रश्न पत्र होंगे जिनमें चार प्रश्न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्रश्न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे। सभी प्रश्न पत्र 100 अंकों के होंगे। प्रश्न पत्रों की समयावधि 3 घण्टे होगी।

नोटः– समस्त प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाषा होगा।

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	राजस्थानी लोक साहित्य एव संत साहित्य

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी काव्य
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक राजस्थानी गद्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	काव्य शास्त्र एवं पाठालोचन
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट साहित्यकार–ईसरदास, मीरां बाई, जनकवि गणेशलाल व्यास उस्ताद (कोई एक विकल्प)
पंचम प्रश्न पत्र	:	निबंध / लघुशोध प्रबंध / पाठ–सम्पादन (कोई एक विकल्प)

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 100

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन।
2. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का विशिष्ट अध्ययन।
3. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का विशिष्ट अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

रणमल्ल छंद	: श्रीधर व्यास,
वेली क्रिसण रुकमणी री	: पृथ्वीराज राठौड़
हालां झालां रा कुण्डलिया	: ईसरदास
ढोला मारू रा दूहा	: सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

अंक योजना

व्याख्या	9x4 = 36 अंक
आलोचनात्मक प्रष्न	16x4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9x4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 16 अंक

तृतीय इकाई

वेलि क्रिसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ 16 अंक

चतुर्थ इकाई

हालां झालां रा कुण्डलिया : ईसरदास । 16 अंक

पंचम इकाई

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणेष, भारतीय विद्या मंदिर षोध प्रतिश्ठान, बीकानेर।
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।
3. हालां झालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर।
4. ढोला मारू रा दूहा – सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
3. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा, बीकानेर
4. राजस्थानी की श्रेश्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
5. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामीशंकर आचार्य, बीकानेर

द्वितीय प्रष्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन।
2. वचनिका परम्परा का अध्ययन।
3. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन।
4. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. वचनिका अचलदास खींची री : शिवदास गाडण
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : सं. डॉ. नरोत्तमदास स्वामी
3. कुंवरसी सांखलो – सं. मनोहर शर्मा
4. जगदेव पंवार री बात : सं. महावीर सिंह गहलोत

अंक योजना

व्याख्या 9x4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 16x4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी । इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9x4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

वचनिका अचलदास खींची री : शिवदास गाडण : एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : नरोत्तमदास स्वामी : एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित । 16 अंक

चतुर्थ इकाई

कुंवरसी सांखलो : मनोहर षर्मा : एक आलोचनात्मक प्रष्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

पंचम इकाई

जगदेव पंवार री बात : महावीर सिंह गहलोत : एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित । 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंचषील प्रकाषन, जयपुर।
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर ।
3. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
4. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर।

तृतीय प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. भाषा एवं लिपि के विकास की परंपरा और सामान्य सिद्धान्त।
2. राजस्थानी भाषा के उद्‌भव और विकास परंपरा का विशिष्ट अध्ययन।
3. राजस्थानी लिपि – मुडिया लिपि की जानकारी ।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार।

नोट :– इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्य सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से मिलेगी।

अंक योजना 20x5 = 100 अंक

प्रथम इकाई

भाशा एवं लिपि सामान्य सिद्धान्त–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

द्वितीय इकाई

राजस्थानी भाषा : उद्‌भव एवं विकास–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्यः आदिकाल–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी साहित्यः मध्यकाल–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी साहित्यःआधुनिककाल–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर।
पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह
राजस्थानी भाशा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया, प्रकाशक : राजस्थानी भाषा प्रचार सभा, जयपुर ।
राजस्थानी भाशा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
राजस्थानी भाशा और साहित्य : डॉ. कल्याण सिंह षेखावत
राजस्थानी भाशा–एक परिचय : नरोत्तमदास स्वामी
राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खण्ड) : सं. सीतारांम लालस, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन षर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
प्राचीन भारतीय लिपिमाला : गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
राजस्थानी व्याकरण : नरोत्तमदास स्वामी
मारवाड़ी व्याकरण : रामकरण आसोपा
राजस्थानी व्याकरण : सीताराम लालस

चतुर्थ प्रश्नपत्र : राजस्थानी लोक साहित्य, संस्कृति एवं संत साहित्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाशा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं विषेशताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का विशिष्ट अध्ययन।
5. राजस्थानी लोकदेवी–देवताओं का परिचय।
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

नोट :– इस प्रश्न पत्र हेतु विषय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी।

अंक योजना 20X5 = 100 अंक

प्रथम इकाई

लोक साहित्य : लोक एवं लोकमानस : परिचय, परिभाशा, लोकतत्त्व–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

द्वितीय इकाई

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

तृतीय इकाई

लोककथा, लोकगीत, लोकगाथा–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी लोकदेवी–देवता–एक प्रश्न–आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी संत एवं संत सम्प्रदायों का सामान्य परिचय–एक प्रश्न– आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन	: डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां	: डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान	: डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृश्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाड़मय	: श्याम परमार
लोक धर्म	: वासुदेवशरण अग्रवाल
लोक साहित्य (व्याख्यान)	: झवेरचन्द मेघानी
राजस्थानी लोक साहित्य	: नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी	: डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी	: डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	: गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी काव्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य परम्परा का अध्ययन ।
2. आधुनिक काल की प्रारंभिक महत्त्वपूर्ण रचनाओं का विस्तृत अध्ययन ।
3. भाव, भाषा एवं शिल्प के बदलते स्वरूप के आधार पर आधुनिक रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण
2. बादळी : चन्द्र सिंह
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया

अंक योजना

व्याख्या 9x4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 16x4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी, इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा । (प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे)

9x4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित।16 अंक

तृतीय इकाई

बादळी : चन्द्रसिंह : आलोचनात्मक प्रष्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

चतुर्थ इकाई

राधा : सत्यप्रकाष जोषी : एक आलोचनात्मक प्रष्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

पंचम इकाई

लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया : एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. वीर सतसई : सूर्यमल्ल मीसण, सं. पतराम गौड़, ईश्वरदान आशिया, कन्हैयालाल सहल, प्रकाशक : बंगाल हिन्दी मण्डल ।
2. बादळी : चन्द्रसिंह, चांद जलेरी प्रकाशन, जयपुर ।
3. राधा : सत्यप्रकाश जोशी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर ।
4. लीलटांस : कन्हैयालाल सेठिया, कलकत्ता ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. परम्परा : सूर्यमल्ल मीसण विषेशांक तथा हेमांणी अंक। प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर ।
2. राजस्थानी की श्रेष्ठ कृतियां : माधोसिंह इंदा।
3. वीर सतसई : डॉ. शंभुसिंह मनोहर, स्टूडेन्ट्स बुक कम्पनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर।

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक राजस्थानी गद्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य परम्परा का अध्ययन ।
2. प्राचीन काल की महत्त्वपूर्ण रचनाओं का अध्ययन ।
3. आधुनिक गद्य विधाओं में निबंध एवं कथा साहित्य का विशिष्ट अध्ययन।

पाठ्यपुस्तकें

1. बुगचो : मूलदान देपावत
2. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'
3. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत : प्रेमजी 'प्रेम'
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा

अंक योजना

व्याख्या	9x4 = 36 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न	16x4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी, इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9x4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

बुगचो : मूलदान देपावत : आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

तृतीय इकाई

तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' : आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

चतुर्थ इकाई

आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत : आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 16 अंक

पंचम इकाई

मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा : एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित । 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. बुगचो : सांखला प्रिन्टर्स, बीकानेर
2. आज री राजस्थानी कहाणियां : रावत सारस्वत, प्रेमजी 'प्रेम' साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। (पाठ्यक्रम में (कहानी सं.) 3, 4, 10, 12, 15, 16, 18, 22, 23, 24, 27, 28) 3. मास्टरजी, 4. गीतां रो बावळियो, 10. भारत भाग्यधाता, 12. खजानो, 15, तगादो, 16. करड़ आंच, 18. बरसगांठ, 22. संजीवण, 23. रजपूताणी, 24. अलेखूं हिटलर, 27. अमर मिनख, 28. सुकड़ीजता आंगणा)
3. तास रो घर : यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र
4. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तिया : डॉ. किरण नाहटा, प्रकाशक : चिन्मय प्रकाषन, जयपुर
2. मेवै रा रूंख ? : अन्नाराम सुदामा।
3. पोथी दर पोथी : डॉ. किरण नाहटा ।

तृतीय प्रष्न पत्र : काव्यषास्त्र एवं पाठालोचन

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का अध्ययन।
2. विभिन्न काव्यरूपों का अध्ययन।
3. राजस्थानी काव्यशास्त्र और छन्दशास्त्र का अध्ययन।
4. पाठालोचन के सिद्धान्त एवं पाठसम्पादन की प्रक्रिया का अध्ययन।

नोटः–इस प्रश्न पत्र हेतु पाठ्यसामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त की जा सकेगी।

पाठ्यक्रम विषय सामग्री

इकाई 1: साहित्य का स्वरूप विवेचन, भारतीय एवं पाष्चात्य दृश्टि, साहित्य के तत्त्व, काव्य की मूल प्रेरणा और प्रयोजन।

इकाई 2 : रस सिद्धान्त : रस निश्पत्ति, साधारीकरण,
अलंकार सम्प्रदाय, वक्रोत्ति सिद्धान्त (स्वरूप और भेद)
ध्वनि सिद्धान्त (ध्वनि का अर्थ और भेद)

इकाई 3 : अरस्तू के काव्य सिद्धान्त (अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त एवं काव्यरूपों

का विवेचन), क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, आई.ए.रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त (मूल सिद्धान्त)
इकाई 4 : राजस्थानी छन्दशास्त्र का परिचय, अलंकार, काव्य दोष
इकाई 5 : पाठालोचन की परिभाशा, स्वरूप और सिद्धान्त

अंक योजना

इस प्रश्न पत्र में काव्यशास्त्र के लिये 80 अंक तथा पाठालोचन के लिये 20 अंक निर्धारित है–

प्रथम इकाई

साहित्य शास्त्र – एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

द्वितीय इकाई

भारतीय काव्य शास्त्र – एक प्रष्न आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

तृतीय इकाई

पाश्चात्य काव्य शास्त्र – एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी काव्य शास्त्र – एक प्रष्न आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

पंचम इकाई

पाठालोचन सिद्धान्त और प्रक्रिया–एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित। 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
2. भारतीय साहित्य षास्त्र : डॉ. मिथलेश तथा विमलेश कान्ति
3. साहित्य षास्त्र री ओळखाण : गौरी शंकर प्रजापत
4. काव्यषास्त्र एक भारतीय दीठ : डॉ. वेंकट शर्मा
5. समीक्षा सिद्धान्त : डॉ. राम प्रकाश
6. सीरजण री साख : डॉ. मदन सैनी
7. भारतीय पाठालोचन की भूमिका : डॉ. एस. एस. कत्रे
8. रघुवर जस प्रकास : किसना आढा प्रकाषक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिश्ठान, जोधपुर
9. राजस्थानी साहित्य मीमांसा : डॉ. माधेसिंह इंदा

चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशिष्ट साहित्यकार

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

विशिश्ट साहित्यकार के अध्ययन के संबध में तीन साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व को अध्ययन का आधार बनाया गया है। विद्यार्थी इन तीनों में से एक साहित्यकार का चयन करेंगे–

1. ईसरदास 2. मीरां बाई 3. जनकवि गणेशलाल व्यास ''उस्ताद''

पाठ्यपुस्तकें

प्रत्येक साहित्यकार के लिये निम्नाकिंत पाठ्यपुस्तकों का निर्धारण किया गया है, जिनमें से एक का अध्ययन करना होगा। साहित्यकार का सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1. हरिरस : ईसरदास (कुल व्याख्या पद)
2. मीरां पदावली– सं. शम्भूसिंह मनोहर (पद सं. 1 से 101 तक व्याख्या खण्ड के लिए)

3. जनकवि उस्तादः सं. रावत सारस्वत, रामेश्वर दयाल श्रीमाली : प्रकाशक–राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।

अंक योजना

व्याख्या – 36

आलोचनात्मक प्रश्न– (16X4= 64)

निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से चयनित साहित्यकार के अनुसार

प्रथम इकाई : व्याख्या– कुल चार, इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा (9X4=36) अंक

व्यक्तित्व एवं कृतित्व से संबधित आलोचनात्मक प्रश्न

कुल चार प्रश्न : इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा (16X4=64 अंक)

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. कलम रो उस्ताद : विजयदांन देथा
2. मीरां मुक्तावली : सं. नरोत्तमदास स्वामी
3. गणेशलाल व्यास ''उस्ताद'': (विनिबंध)
4. मीरां बृहत्पदावली : स्व. हरिनारायण पुरोहित
5. ईसरदास बाहरठ : (विनिबंध) प्रकाशक साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

पंचम प्रश्नपत्र : निबंध / लघुशोध / पाठ सम्पादन

समय : 3 घंटे पूर्णक : 100

निबंध

निर्देष (1)– इस प्रष्न में दस में से किसी एक साहित्यिक विषय पर निबंध लिखना होगा।

निर्देष (2)– यह निबंध राजस्थानी भाशा में ही लिखना होगा ।

अथवा

लघुशोध प्रबंध

लघुषोध प्रबंध लिखने की अनुमति उसी नियमित विद्यार्थी को दी जाएगी, जिसने एम ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा में 55 प्रतिषत अथवा अधिक अंक प्राप्त किये हों ।

लघुषोध प्रबंध हेतु विद्यार्थी को टंकित 100 पृश्ठों में लघुषोध प्रस्तुत करना होगा । इस षोध प्रबंध का माध्यम भी राजस्थानी ही होगा। लघु षोध प्रबंध किसी प्राध्यापक के निर्देषन में तैयार किया जाएगा, जिसके लिये एक विशय निर्धारित किया जाएगा, जो राजस्थानी साहित्य से संबधित होना चाहिये।

अथवा

पाठ सम्पादन

इस प्रश्न पत्र को वे ही नियमित छात्र दे सकेंगे, जिनके 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक होंगे। पाठ सम्पादन कार्य हेतु विषय निर्धारण एवं मार्गदर्शन हेतु महाविद्यालय के राजस्थानी प्राध्यापक के मार्गदर्शन में ही कार्य करना होगा। पाठ सम्पादन हेतु वही हस्तलिखित ग्रन्थ स्वीकृत होगा, जिसके कम से कम 20 पृष्ठ हों तथा हस्तलिखित दो प्रतियां उपलब्ध हों। सम्पादन की पुष्टि के लिये हस्तलिखित प्रतियों के कुछ पृष्ठों की फोटो प्रति भी सम्पादन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। सम्पादन का कार्य राजस्थानी में ही किया जाना है।